भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2212
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2025 को दिया जाना है ।
21 फाल्गुन, 1946 (शक)

तमिलनाडु में इंडिया एआई मिशन

2212.थिरु दयानिधि मारन:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2025-26 में इंडिया एआई मिशन के लिए संस्वीकृत 2,000 करोड़ रुपये में से तमिलनाडु स्थित संस्थानों, एआई स्टार्टअपों और अनुसंधान परियोजनाओं को कितनी धनराशि आवंटित किए जाने की संभावना है;

(ख) क्या सरकार के पास इंडिया एआई मिशन को आगे बढ़ाने के लिए पृथक डेटा केंद्र स्थापित करने की कोई योजना या प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो क्या चेन्नई, कोयम्बटूर और होसुर में सुदृढ़ आईटी अवसंरचना को ध्यान में रखते हुए तमिलनाडु में इनमें से कोई डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा;

(घ) इस मिशन के अंतर्गत देश में एआई से संबंधित कितनी नौकरियां सृजित होने की संभावना है;

(ङ) क्या सस्थानों के माध्यम से एआई-संचालित नौकरियों के लिए कार्यबल तैयार करने हेतु राज्य-विशिष्ट कौशल कार्यक्रम होंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या इंडिया एआई मिशन के अंतर्गत कोई राज्य-केन्द्रित लक्ष्य हैं और क्या तमिलनाडु के ऑटोमोबाइल और स्वास्थ्य देशभाल उद्योगों के लिए एआई प्रौद्योगिकी में निवेश विकसित करने के प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है;और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (छ): भारतएआईमिशनकोएकराष्ट्रीयपरियोजनाकेरूपमेंकार्यान्वितकियाजारहाहैऔरकार्यक्रमकेतहतस्वीकृत धनराशिकाउपयोगतमिलनाडुसहितपूरेदेशकेलिएएआईअवसंरचना, डेटासेटप्लेटफॉर्म, उपकरणऔरएप्लिकेशनबनानेकेलिएकियाजाताहै। एआईअवसंरचनाकेलिए, भारतएआईमिशनडेटासेटप्लेटफॉर्मस्थापितनहींकररहाहैकिन्तु एआईस्टार्टअप्स, शोधार्थियोंऔरउद्यमियोंकोवैश्विककीमतोंसेकमकीमतपरकिफायतीकंप्यूटिंगसेवाएंउपलब्धकरा रहाहै। यहदेशभरकेसभीउपयोगकर्ताओंकेलिएसुलभहै।
इंडियाएआईमिशनकेबारेमेंऔरअधिकजानकारीइसप्रकारहै:

भारतसरकार 'सभीकेलिएएआई' कीअवधारणापरबल देतीहै, जोमाननीयप्रधानमंत्रीकेप्रौद्योगिकीकेउपयोगकोलोकतांत्रिकबनानेकेदृष्टिकोणकेअनुरूपहै। इसपहलकाउद्देश्ययहसुनिश्चितकरनाहैकिएआईसमाजकेसभीक्षेत्रोंकोलाभान्वितकरे, नवाचारऔरविकासकोबढ़ावादे।

भारतकोप्रौद्योगिकीऔरआर्टिफिशियलइंटेलिजेंसमेंकौशलकीराजधानीमानाजाताहै। एआई मेंसबसेविश्वसनीयरैंकिंगभारतकोएआईकौशल, एआई क्षमताओंऔरएआई काउपयोगकरनेकीनीतियोंवालेशीर्षदेशोंमेंरखतीहै। स्टैनफोर्डयूनिवर्सिटीने 42 संकेतकोंकेआधारपरवैश्विकऔरराष्ट्रीयएआई जीवंततारैंकिंगमेंअमेरिका, चीनऔरयूकेकेसाथभारतकोशीर्षचारदेशोंमेंस्थानदियाहै। गिटहब, जोडेवलपर्सकासमुदायहै, नेसभीपरियोजनाओंके 24% कीवैश्विकहिस्सेदारीकेसाथभारतकोशीर्षपररखाहै।

सरकार,स्वास्थ्यसेवा, कृषिऔरशिक्षाजैसेक्षेत्रोंमेंलोगोंके कल्याण केलिएआर्टिफिशियलइंटेलिजेंस (एआई) कीशक्तिकाउपयोगकरनेकेलिएप्रतिबद्धहै। साथही, सरकारएआईसेउत्पन्नजोखिमोंसेभीअवगतहै।

माननीयप्रधानमंत्रीकेनेतृत्वमेंकेंद्रीयमंत्रिमंडलने 7 मार्च, 2024 कोइंडियाएआईमिशनकोमंजूरीप्रदान की है,
जोदेशकेविकासलक्ष्योंकेसाथसंरेखितएकमजबूतऔरसमावेशीएआईपारिस्थितिकीतंत्रस्थापितकरनेकीए करणनीतिकपहलहै।
यहमिशनसातआधारभूतस्तंभोंपरध्यानकेंद्रितकरकेभारतकोकृत्रिमबुद्धिमत्तामेंवैश्विकनेताकेरूपमेंस्थापि तकरनेकीदृष्टिसेप्रेरितहै।इंडियाएआईमिशनएकराष्ट्रीयपहलहैजिसकाउद्देश्यतमिलनाडुसहितपूरेदेशमेंए आईकेविकासकोबढ़ावादेनाहै।

इसमिशनकाकार्यान्वयनडिजिटलइंडियाकॉरपोरेशनकेतहतइंडियाएआईस्वतंत्रव्यापारप्रभाग (आईबीडी) द्वाराकियाजारहाहै, औरइंडियाएआईमिशनकेकार्यान्वयनकेलिएकिएगएप्रमुखकार्यनिम्नानुसारहैं:

इंडियाएआईकंप्यूट:

- इंडियाएआईकंप्यूटपिलरकालक्ष्यएकउच्चस्तरीयस्केलेबलएआईकंप्यूटिंगइकोसिस्टमकानिर्माणकर नाहै, जिसमें 10,000 याउससेअधिकग्राफिक्सप्रोसेसिंगयूनिट्स (जीपीयू) काएआईकंप्यूटइंफ्रास्ट्रक्चरसम्मिलित होगा।

- 16 अगस्त, 2024 को क्लाउडपरएआईसेवाएंप्रदानकरनेकेलिएएजेंसियोंकेपैनलकेलिएआवेदनआमंत्रितकिएगए। बोलीप्रस्तुतीकरण 28 नवंबर, 2024 कोबंदकरदियागयाथाऔर 19 बोलीदाताओंनेअनुरोधकेजवाबमेंबोलियांप्रस्तुतकीहैं, जिनमेंसे 10 बोलीदातावित्तीयबोलीखोलनेकेलिएयोग्यथे।
- इंडियाएआईकंप्यूटपिलरमेंउल्लिखित 10,000 जीपीयूकेलक्ष्यकेमुकाबले, तकनीकीरूपसेयोग्यबोलीदाताओंनेपैनलकेलिए 18,693 जीपीयूप्रस्तुतकिएहैं। यहभीध्यानदेनेयोग्यहैकिपैनलकेलिएप्रस्तावितजीपीयूमेंसे 15120 मेंउच्चपरिशुद्धतावालेजीपीयूशामिलहैं।
- पेशकिएगए 18,693 जीपीयू मेंसे 14,461 जीपीयू पहलेसेहीबोलीदाताकेबुनियादीढांचेपरस्थापितहैंऔरतत्कालउपयोगकेलिएउपलब्धहैं। इसकेअतिरिक्त, बोलीदाताओंकेपासऔरभीजीपीयूक्षमताउपलब्धहैजोतकनीकीरूपसेयोग्यनहींथे।
- बोलीदाताओंद्वाराउद्धृतकीमतेंअत्यधिकप्रतिस्पर्धीहैंऔरसभीजीपीयू केलिएबाजारमूल्यसेऔसतछूट 42% है। उच्चपरिशुद्धतावालेजीपीयू केलिएबाजारमूल्यसेऔसतछूट 47% है। प्रतिजीपीयू औसतदर ₹115.85/घंटाहैऔरप्रतिउच्चपरिशुद्धतावालेजीपीयू कीऔसतदर ₹150/घंटाहै।
- प्रौद्योगिकियोंमेंपरिवर्तनकेसाथतालमेलबनाएरखनेकेलिए, इंडियाएआईनेनएजीपीयूकोशामिलकरनेऔरकिसीभीसंशोधितदरोंकीखोजकेलिएसूचीबद्धएजेंसियों सेनएप्रस्तावआमंत्रितकरनेकेलिएएकसततसूचीबद्धप्रक्रियाकोसक्षमकिया।

इंडियाएआईफ्यूचरस्किल्स:

- इंडियाएआईफ्यूचरस्किल्सपिलरकालक्ष्यएआईडोमेनमेंस्नातक, स्नातकोत्तरऔरपीएचडीकीसंख्याबढ़ानाहै। इसकेअलावा, इसकालक्ष्यभारतकेटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंडेटाऔरएआईलैबस्थापितकरनाहै, ताकिडेटाऔरएआईमेंआधारभूतस्तरकेपाठ्यक्रमप्रदानकिएजासकें।
- अखिलभारतीयतकनीकीशिक्षापरिषद (एआईसीटीई) सेमान्यताप्राप्तइंजीनियरिंगसंस्थानोंसेएआईडोमेनमेंकामकरनेवाले 400 बी.टेकऔर 500 एम.टेकछात्रोंकोहरसालइंडियाएआईफेलोशिपप्रदानकीजातीहै। **तमिलनाडुसेकुल 51 छात्र, 9 शैक्षणिकसंस्थानोंसे 38 बी.टेकछात्रऔर 2 शैक्षणिकसंस्थानोंसे 13 एम.टेकछात्रइंडियाएआईफेलोशिपकेलिएचुनेगएहैं।**

- राष्ट्रीयसंस्थागतरैंकिंगफ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) मेंशीर्ष 50 रैंकवालेशोधसंस्थानोंकोइंडियाएआईपीएचडीफेलोशिपकेतहतनएपीएचडीस्कॉलर्सके प्रवेश केलिएकहागयाहै।

- राष्ट्रीयइलेक्ट्रॉनिक्सएवंसूचनाप्रौद्योगिकीसंस्थान (नाइलिट), दिल्लीमेंएकमॉडलइंडियाएआईडेटालैबस्थापितकीगईहै, जोइसपहलकेएकभागकेरूपमेंटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंस्थापितकिएजानेवालेबुनियादीढांचेकेलिएसंदर्भबिंदुकेरूपमेंकार्यकरतीहै।
- सभी 36 राज्योंऔरकेंद्रशासितप्रदेशों (यूटी) सेअनुरोधकियागयाहैकिवेडेटालैबस्थापितकरनेकेलिएटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंस्थितऔद्योगिकप्रशिक्षणसंस्थानों (आईटीआई)/पॉलिटेक्निककीअपनीनामितसूचीप्रस्तुतकरें। इसकेअतिरिक्त, इंडियाएआईनेएनआईईएलआईटीकेसहयोगसेदेशभरकेटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमें 27 डेटालैबस्थापितकरनेकीयोजनाबनाईहै, जिसकाविवरणपरिशिष्ट । मेंदियागयाहै।

इंडियाएआईस्टार्टअपवित्तपोषण:

- इंडियाएआईस्टार्टअपफाइनेंसिंगकाउद्देश्यएआईस्टार्टअपकोसभीचरणोंमेंसहायताप्रदानकरनाहै। प्री-सीड, सीडऔरग्रोथचरणमेंएआईस्टार्टअप्सकोसमर्थनदेनेकीयोजनापरविचार-विमर्शकरनेकेलिएहितधारकपरामर्शककईदौरआयोजितकिएगएहैं।
- स्टेशनएफऔरएचईसीपेरिसकेसहयोगसे,इंडियाएआईमिशननेभारतीयएआईस्टार्टअपकेलिएएकत्व रणकार्यक्रमशुरूकियाहै। दुनियाकेसबसेबड़ेस्टार्टअपकैंपसमेंचारमहीनेकायहइमर्सिवप्रोग्राम (1 महीनाऑनलाइन, 3 महीनेपेरिसमेंस्टेशनएफमेंऑनसाइट) 10 चयनितएआईस्टार्टअपकोयूरोपमेंमेंटरशिप, नेटवर्किंगऔरवैश्विकबाजारविस्तारकेअवसरप्रदानकरेगा।

इंडियाएआईइनोवेशनसेंटर:

- इंडियाएआईइनोवेशनसेंटरकालक्ष्यभारत-विशिष्टडेटापरप्रशिक्षितस्वदेशीबड़ेमल्टीमॉडलमॉडल (एलएमएम) कोविकसितऔरस्थापित करनाहै।
- इसस्तंभकेअंतर्गतमूलभूतएआईमॉडलकेविकासकासमर्थनकरनेकेलिएप्रस्तावआमंत्रितकिएगएहैं, जिसमेंस्टार्टअप,

शोधकर्ताओंऔरउद्यमियोंकोभारतीयडेटासेटकाउपयोगकरकेअत्याधुनिकएआईमॉडलबनानेमेंसह योगकरनेकेलिएआमंत्रितकियागयाहै। इसपहलकाउद्देश्यस्वदेशीएआईमॉडलस्थापितकरनाहै, जोविभिन्नक्षेत्रोंमेंभारत-विशिष्टचुनौतियोंकासमाधानकरनेकेलिएबड़ेमल्टीमॉडलमॉडल, बड़ेभाषामॉडल (एलएलएम) याछोटेभाषामॉडल (एसएलएम) होसकतेहैं।

इंडियाएआईडेटासेटप्लेटफॉर्म:

- इंडियाएआईडेटासेटप्लेटफ़ॉर्म (आईडीपी) काउद्देश्यसार्वजनिकक्षेत्रकेडेटासेटकीपहुँच, गुणवत्ताऔरउपयोगकोबढ़ानाहैताकिउन्हेंएआई-तैयारबनायाजासके। आईडीपीकाउद्देश्यएकएकीकृतडेटाप्लेटफ़ॉर्मकेरूपमेंकार्यकरनाहै, सभीमौजूदाडेटाप्लेटफ़ॉर्मसेडेटासेटकोएकीकृतकरनाऔरसाथहीगैर-सरकारीडेटायोगदानकर्ताओंकोसम्मिलित करनातथा यह नएयुग की एआई-केंद्रितविशेषताएंप्रदानकर रहा है।
- डेटासेट, टूलऔरएआई मॉडल,एआईकोश, इंडिया एआई,डेटासेटप्लेटफ़ॉर्मतकनिर्बाधपहुँचकेलिएएकएकीकृतपोर्टलप्रदानकरना। एआईकोशएकसुरक्षितप्लेटफ़ॉर्महैजोएआई नवाचारकोसक्षमबनाने केलिएडेटासेट, मॉडलऔरउपयोगकेमामलोंकाभंडारउपलब्ध कराता है। इसमेंटूलऔरट्यूटोरियलकेसाथएकीकृतविकासवातावरणकेमाध्यमसेएआई सैंडबॉक्सक्षमताएँभीहैं। प्लेटफ़ॉर्ममेंकंटेंटडिस्कवरेबिलिटी, डेटासेटकीएआई रेडीनेसस्कोरिंग, अनुमति-आधारितपहुँचऔरसुरक्षातंत्रजैसेकिस्थिर औरगतिअवस्था मेंडेटाएन्क्रिप्शन, सुरक्षितएपीआई औरदुर्भावनापूर्णट्रैफ़िककोरीयल-टाइमफ़िल्टरकरनेकेलिएफ़ायरवॉलजैसीसुविधाएँहैं।

इंडियाएआईअनुप्रयोगविकासपहल:

- इंडियाएआईएप्लीकेशनडेवलपमेंटपहल काउद्देश्यमहत्वपूर्णसमस्याओंसेप्रभावीढंगसेनिपटनेकेलिएप्रभावशालीएआईसमाधानोंकोविकसित करना, उनकाविस्तारकरनाऔरउन्हेंअपनानेकोबढ़ावादेनाहै।
- इंडियाएआईइनोवेशनचैलेंज 13 अगस्त, 2024 कोस्वास्थ्यसेवा, कृषि, बेहतरशासन, जलवायुपरिवर्तनऔरआपदाप्रबंधनतथासीखनेकीअक्षमताओंकेलिएसहायकप्रौद्योगिकियोंकेविषयों केलिएशुरूकियागयाथा। इनोवेशनचैलेंजभारतीयइनोवेटर्स, स्टार्टअप्स, गैर-लाभकारीसंस्थाओं, छात्रों, शैक्षणिक/आरएंडडीसंगठनोंऔरकंपनियोंकेलिएखुलाथा। 30 सितंबरकीसमयसीमातकपांचफोकसक्षेत्रोंमेंकुल 900 आवेदनप्राप्तहुएहैं। कठोरमूल्यांकनप्रक्रियाकेबाद, परिपक्वताकेतीनचरणों: आइडिया, प्रोटोटाइपऔरमौजूदासमाधानमेंअगलेचरणकेलिए 30 एआईसमाधानोंकोशॉर्टलिस्टकियागयाहै।
- साइबरअपराधकीरोकथामकेलिएभारतीयसाइबरअपराधसमन्वयकेंद्र (I4C) केसहयोगसे 17 अक्टूबर, 2024 कोसाइबरगार्डएआई हैकथॉनशुरूकियागयाथाऔरइसकेलिए 263

प्रतिक्रियाएंप्राप्तहुईहैं। 3 दिनोंकेहैकथॉनमें 20 टीमोंनेहिस्सालियाहैऔरविजेताओंकीपहचानकेलिएमूल्यांकनचलरहाहै।

सुरक्षितएवंविश्वसनीयएआई:

- यहस्तंभस्वदेशीउपकरणोंऔरढांचेकेविकास, नवप्रवर्तकोंकेलिएस्व-मूल्यांकनचेकलिस्टऔरअन्यदिशानिर्देशऔरशासनढांचेसहितउत्तरदायीएआईपरियोजनाओंकेकार्यान्वयनकोसक्षमबनाताहै।
- एआईप्रौद्योगिकियोंकेउत्तरदायी विकास, परिनियोजनऔरअपनानेकोसुनिश्चितकरनेकेलिएमजबूतसुरक्षाउपायोंकीआवश्यकताकोपूराकरनेकेलिएआठउत्तरदायी एआईपरियोजनाओंकाचयनकियागयाहै। परियोजनाओंमेंमशीनअनलर्निंग, सिंथेटिकडेटाजेनरेशन, एआईपूर्वाग्रहशमन, नैतिकएआईफ्रेमवर्क, गोपनीयताबढ़ानेवालेउपकरण, व्याख्यात्मकएआई,
एआईगवर्नेंसपरीक्षणऔरएल्गोरिदमऑडिटिंगटूलसहितकईमहत्वपूर्णविषयसम्मिलित हैं। चयनितपरियोजनाओंकाविवरणपरिशिष्ट ॥ मेंदियागयाहै।

*****

परिशिष्ट I

देशभरकेटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंनाइलिट केसहयोगसेइंडियाएआईद्वारानियोजितडेटाऔरएआईप्रयोगशालाओंकीसूची:

क्र.सं.	नाइलिटकेंद्र	राज्य/संघराज्यक्षेत्र
1	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश
2	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
3	शिमला	हिमाचलप्रदेश
4	औरंगाबाद	महाराष्ट्र
5	पटना	बिहार
6	बक्सर	बिहार
7	मुजफ्फरपुर	बिहार
8	कुरुक्षेत्र	हरियाणा
9	रोपड़	पंजाब
10	हरिद्वार	उत्तराखंड
11	बीकानेर	राजस्थान
12	तेजपुर	असम
13	भुवनेश्वर	ओडिशा
14	कालीकट	केरल
15	गुवाहाटी	असम
16	ईटानगर	अरुणाचलप्रदेश
17	श्रीनगर	जम्मूऔरकश्मीर
18	जम्मू	जम्मूऔरकश्मीर
19	रांची	झारखंड
20	इंफाल	मणिपुर
21	गंगटोक	सिक्किम
22	अगरतला	त्रिपुरा
23	आइजोल	मिजोरम
24	शिलांग	मेघालय
25	कोहिमा	नागालैंड
26	लेह	लद्दाख
27	सिलचर	असम

*****

परिशिष्ट II

"सुरक्षितऔरविश्वसनीयएआई" स्तंभकेअंतर्गतचयनितपरियोजनाओंकाविवरणनिम्नानुसारहै:

विषयकानाम	चयनितआवेदक	परियोजनाकाशीर्षक
मशीनअनलर्निंग	आईआईटीजोधपुर	जनरेटिवफाउंडेशनमॉडलमेंमशीनअनलर्निंग
सिंथेटिकडेटाजनरेशन	आईआईटीरुड़की	डेटासेटमेंपूर्वाग्रहकोकमकरनेकेलिएसिंथेटिकडेटा उत्पन्नकरनेकीविधिकाडिजाइनऔरविकास; तथाउत्तरदायीएआईकेलिएमशीनलर्निंगपाइपलाइन मेंपूर्वाग्रहकोकमकरनेकेलिएरूपरेखा
एआईपूर्वाग्रहशमनरणनीति	राष्ट्रीयप्रौद्योगिकीसंस्थानरायपुर	स्वास्थ्यदेखभालप्रणालियोंमेंपूर्वाग्रहशमनकेलिएउत्तरदायीकृत्रिमबुद्धिमत्ताकाविकास
व्याख्यायोग्यएआईफ्रेमवर्क	डीआईएटीपुणेऔरमाइंडग्राफटेक्नोलॉजीप्राइवेटलिमिटेड	सुरक्षाकेलिएव्याख्यात्मकऔरगोपनीयतासंरक्षणएआईकोसक्षमबनाना
गोपनीयताबढ़ानेकीरणनीति	आईआईटीदिल्ली, आईआईआईटीदिल्ली, आईआईटीधारवाड़ और दूरसंचारइंजीनियरिंगकेंद्र (टीईसी)	मजबूतगोपनीयता-संरक्षणमशीनलर्निंगमॉडल
एआईनैतिकप्रमाणनढांचा	आईआईआईटीदिल्ली और दूरसंचारइंजीनियरिंगकेंद्र (टीईसी)	एआईमॉडलकीनिष्पक्षताकाआकलनकरनेकेलिए उपकरण
एआईएल्गोरिदमऑडिटिंगटूल	सिविकडेटालैब्स	परखएआई - सहभागीएल्गोरिथमिकऑडिटिंगकेलिएएकओपन-सोर्सफ्रेमवर्कऔरटूलकिट
एआईगवर्नेंसपरीक्षणढांचा	अमृताविश्वविद्यापीठम और दूरसंचारइंजीनियरिंगकेंद्र (टीईसी)	ट्रैक-एलएलएम, पारदर्शिता, जोखिममूल्यांकन, संदर्भऔरबड़ेभाषामॉडलकेलिएज्ञान

****